लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
जन एक्सप्रेस
@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper
लखनऊ | वर्षः 14 | अंकः 161 | मूल्यः ₹3.00/- | पेज : 12 | शनिवार | 25 मार्च, 2023

क्षय रोग दिवस के दौरान लिए 100 मरीजों के नमूने

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर बीते दिन शुक्रवार को निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. रामप्यारे ने कहा कि दुनिया ने वर्ष 2030 को इस जानलेवा बीमारी टीवी के उन्मूलन के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है। वहीं भारत का संकल्प वर्ष 2025 तक इस उद्देश्य को हासिल करना है। उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 60 वर्षों के प्रयासो के बाद भी यह एक गंभीर समस्या बनी हुई है। उन्होंने बताया कि सही समय पर जांच कराकर अनुभवी चिकित्सक का चयन कर टीवी रोग का निदान किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ.सी.एल.मौर्य ने कहा कि दुनिया भर में हर साल 24 मार्च को विश्व क्षयरोग दिवस मनाया जाता है जिसका उद्देश्य लोगों को टीवी की बीमारी के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त निदेशक छह रोग कानपुर मंडल डॉ.ए.पी.मिश्रा ने बताया कि टीबी से विश्व में हर दिन लगभग 4 हजार लोग अपनी जान गवा देते हैं। तथा 30 हजार लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। कुलसचिव डॉ.पी.के.उपाध्याय ने बताया कि सर्वप्रथम 24 मार्च 1882 को डॉक्टर रॉबर्ट कोंच द्वारा टीबी रोग के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया की खोज की थी। चिकित्सा कैंप में लगभग 100 लोगों के जांच के लिए नमूने लिए गए।

राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • शनिवार • 25 मार्च • 2023

पौष्टिक मोटे अनाजों की
ती कर लाभ बढ़ायें किसान

हारा न्यूज ब्यूरो

ुर।

सीएसए में कार्यशाला संग लगाई गई प्रदर्शनी

ए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में पौष्टिक अनाजों (श्रीअन्न) की खेती को ारी वनाने व किसानों को इसकी खेती ए प्रोत्साहित करने के लक्ष्य को लेकर र को कार्यशाला आयोजित करने के ो कृषि प्रदर्शनी लगाई गई। इस मौके पर ों को मोटे अनाजों की खेती कर लाभ के लिए प्रेरित किया गया। पहले । मोटे अनाज फसलों की खेती करते केन हाल के वर्षों में मोटे अनाज खेतों रद हो गये हैं।

आईसीएआर अटारी जोन-3 कानपुर ्शक डॉ. शांतनु कुमार दुवे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शामिल हुए व कृषि ो का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में अनाजों की समस्त वीज, पोस्टर व आदि प्रदर्शित किये गये। विवि के क प्रसार डॉ. आरके यादव ने वताया कि वेज्ञान केन्द्रों द्वारा सभी जिलों में मोटे ों की कार्यशाला आयोजित की जायेगी। विवि के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सीएल मौर्य ने कहा कि धान-गेहूं की जगह फसल चक्र में मोटे अनाजों को शामिल किया जाना वहुत आवश्यक है, ताकि मानव व मृदा स्वास्थ्य को ठीक किया जा सके। निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह ने मोटे अनाजों की नवीनतम प्रजातियों के विकास पर जोर दिया। डॉ. नौशाद खान ने मोटे अनाजों के उत्पादन तकनीक की जानकारी दी। डॉ. साधना वैश्य ने मोटे अनाजों की उपयोगिता व उनसे वनने वाले व्यंजनों के वारे में वताया। डॉ. प्रिया वशिष्ठ ने मोटे अनाजों को चावल व रोटी के रूप में प्रयोग करने की विधि वताई। डॉ. अभिमन्यु ने भंडारण-विपणन के वारे में वताया। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कृषकों को मोटे अनाज ज्वार, वाजरा, रागी, सवां, काकून, कोटों व कंगनी आदि की पहचान व क्षेत्र के अनुरूप उत्पादन तकनीक की जानकारी दी। निदेशक प्रसार डॉ. पीके राठी ने कहा कि किसान मोटे अनाजों की उत्पादन तकनीक अपनाकर अपनी आय वढ़ा सकते हैं।

(हिन्दी दैनिक)
R.N.I. No. Utthin/2018/76731
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, शनिवार, 25 मार्च 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

श्री अन्न (मिलेट्स) का उत्पादन व निर्यात बढ़ाने के प्रयास विषयक पर कार्यशाला संपन्न

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज श्री अन्न (मिलेट्स) के उत्पादन व निर्यात बढ़ाने के प्रयास विशेष पर कार्यशाला संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक आईसीएआर अटारी जोन-3 डॉ शांतनु कुमार ने सर्वप्रथम कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया है। कृषि प्रदर्शनी में मोटे अनाज की समस्त बीज, पोस्टर व व्यंजन आदि का प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने बताया कि मोटे अनाजों के प्रति लोग जागरूक हो तथा उपयोगी जानकारी लें इसलिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया

है।उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा समस्त जनपदों में भी मोटे अनाजों की कार्यशाला आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य ने बताया कि धान गेहूं की जगह फसल चक्र में मोटे अनाजों को शामिल किया जाना बहुत आवश्यक है जिससे मानव स्वास्थ्य व मृदा स्वास्थ्य को ठीक किया जा सके इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने मोटे अनाजों की वैज्ञानिकों द्वारा नवीनतम प्रजातियां विकसित करने पर जोर दिया तथा मोटे अनाजों के उत्पादन रणनीति बनाने पर भी जानकारी दी निदेशक मानिटरिंग एवं प्रशासन डॉ नौशाद खान ने मोटे अनाजों के उत्पादन पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की तकनीकी सत्र में डॉ साधना वैश्य ने मोटे अनाजों की उपयोगिता व उनसे बनने वाले व्यंजनों की जानकारी दी। जबकि डॉ प्रिया वशिष्ठ ने मोटे अनाजों को चावल व रोटी के रूप में प्रयोग करने की विधि बताइ। डॉ अभिमन्यु ने मोटे अनाज के भंडारण विपणन पर जानकारी दी।डॉ हरीश चंद्र सिंह ने मोटे अनाज की उन्नत प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। डॉ जितेंद्र सिंह ने कृषकों को मोटे अनाज ज्वार, बाजरा, रागी, सवां, काकून, कोदों व कंगनी आदि की पहचान व क्षेत्र के अनुसार उत्पादन तकनीकी बताइ। सभी अतिथियों को धन्यवाद से निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी द्वारा किया गया उन्होंने किसानों का आव्हान किया कि किसान भाई मोटे अनाज की उत्पादन तकनीक को अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं इस अवसर पर डॉ सोहन लाल वर्मा, डॉक्टर सुभाष चंद्रा, डॉक्टर अनिल सिंह, डॉक्टर एन लारी, डॉ वीके कनौजिया, डॉक्टर दीपाली चौहान, डॉक्टर चंद्रकला, डॉक्टर रश्मि यादव सहित आस-पास जनपदों के किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया।

2025 तक क्षय रोग उन्मूलन का लक्ष्य

शिविर में छात्रा की जांच करते डाक्टर्स।

कानपुर, 24 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से क्षय रोग उन्मूलन के लिए विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर क्षय दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ रामप्यारे ने कहाकि कि जहां एक और दुनिया ने वर्ष 2030 को इस जानलेवा बीमारी टीवी के पूर्व उन्मूलन के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है वही भारत का संकल्प वर्ष 2025 तक इस उद्देश्य को हासिल करना है। उन्होंने कहा कि भारत में टीवी नियंत्रण के लिए पिछले लगभग 60 वर्षों से प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन फिर भी यह एक गंभीर समस्या बनी हुई है। साथ ही यह भी बताया कि सही समय पर सही जांच कराकर अनुभवी चिकित्सक का चयन कर टीवी रोग का निदान किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सीएल मौर्य ने कहाकि दुनिया भर में हर साल 24 मार्च को विश्व क्षयरोग दिवस मनाया जाता है जिसका कमकसद लोगों को टीवी की बीमारी के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त निदेशक (छह रोग कानपुर मंडल) डॉ ए पी मिश्रा ने कहाकि टीवी से विश्व में हर दिन लगभग 4 हजार लोग अपनी जान गवा देते है तथा 30 हजार लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि सर्वप्रथम 24 मार्च 1882 को डॉ रॉबर्ट कोंच ने टीवी रोग के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया की खोज की थी। इस अवसर पर चिकित्सा परामर्श डॉ एस के सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव कुमार ने अपने विचार रखे। इस दौरान चिकित्सा कैंप में लगभग 100 लोगों के जांच हेतु नमूने लिए गए।

अनुभवी चिकित्सक के चयन से टीबी रोग का निदान संभव

● विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर निक्षय दिवस का आयोजन

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए द्वारा क्षय रोग उन्मूलन हेतु विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ रामप्यारे द्वारा अपने स्वागत भाषण में कहा गया कि जहां एक और दुनिया ने वर्ष 2030 को इस जानलेवा बीमारी टीबी के पूर्व उन्मूलन के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है वहीं भारत का संकल्प वर्ष 2025 तक इस उद्देश्य को हासिल करना है।

उन्होंने कहा कि भारत में टीबी नियंत्रण के लिए पिछले लगभग 60 वर्षों से प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन फिर भी यह एक गंभीर समस्या बनी हुई है साथ ही यह भी बताया कि सही समय पर सही जांच कराकर अनुभवी चिकित्सक का चयन कर टीवी रोग का निदान किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में अधिष्ठाता कृषि संकाय द्वारा कहा गया कि दुनिया भर में हर साल 24 मार्च को विश्व क्षयरोग दिवस मनाया जाता है जिसका कमकसद लोगों को टीवी की बीमारी के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त निदेशक छह रोग कानपुर मंडल डॉक्टर ए पी मिश्रा द्वारा बताया गया कि टीबी से विश्व में हर दिन लगभग 4 हजार लोग अपनी जान गवा देते हैं। तथा 30 हजार लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय द्वारा बताया गया कि सर्वप्रथम 24 मार्च 1882 को डॉक्टर रॉबर्ट कोंच द्वारा टीबी रोग के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया की खोज की थी। इस अवसर पर चिकित्सा परामर्श डॉ एस के सिंह सहित अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव कुमार द्वारा भी उद्बोधन किया गया।

रखना होगा।

हिंदुस्तान कानपुर 25/03/2023

चावल व गेहूं की जगह मोटे अनाज की करें खेती

कानपुर। सीएसए में मोटे अनाज का उत्पादन व निर्यात बढ़ाने पर मंथन हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ विवि के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह और आईसीएआर अटारी जोन-3 के निदेशक डॉ. शांतनु कुमार ने किया। विवि की ओर से मोटे अनाज पर एक प्रदर्शनी भी आयोजित हुई, जिसका अतिथियों ने अवलोकन किया। इसमें मोटे अनाज के सभी बीज, पोस्टर व व्यंजन का प्रदर्शन किया गया।

अनुभवी चिकित्सक का चयन कर टीवी रोग का किया जा सकता हैं, निदान

कानपुर । सीएसए द्वारा क्षय रोग उन्मूलन हेतु विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर निक्षय दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ रामप्यारे द्वारा अपने स्वागत भाषण में कहा गया कि जहां एक और दुनिया ने वर्ष 2030 को इस जानलेवा बीमारी टीवी के पूर्व उन्मूलन के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है वही भारत का संकल्प वर्ष 2025 तक इस उद्देश्य को हासिल करना है। उन्होंने कहा कि भारत में टीवी नियंत्रण के लिए पिछले लगभग 60 वर्षों से प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन फिर भी यह एक गंभीर समस्या बनी हुई है साथ ही यह भी बताया कि सही समय पर सही जांच कराकर अनुभवी चिकित्सक का चयन कर टीवी रोग का निदान किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में अधिष्ठाता कृषि

संकाय द्वारा कहा गया कि दुनिया भर में हर साल 24 मार्च को विश्व क्षयरोग दिवस मनाया जाता है जिसका कमकसद लोगों को टीवी की बीमारी के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त निदेशक छह रोग कानपुर मंडल डॉक्टर ए पी मिश्रा द्वारा बताया गया कि टीवी से विश्व में हर दिन लगभग 4 हजार लोग अपनी जान गवा देते हैं। तथा 30 हजार लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय द्वारा बताया गया कि सर्वप्रथम 24 मार्च 1882 को डॉक्टर रॉबर्ट कोच द्वारा टीवी रोग के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया की खोज की थी। इस अवसर पर चिकित्सा परामर्श डॉ एस के सिंह सहित अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव कुमार द्वारा भी उद्बोधन किया गया कार्यक्रम में चिकित्सा कैंप में लगभग 100 लोगों के जांच हेतु नमूने लिए गए तथा कार्यक्रम में सभी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर वार्डन संकाय सदस्य सहित विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने के साथ-साथ छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

श्री अन्न (मिलेट्स) का उत्पादन व निर्यात बढ़ाने के प्रयास पर हुई कार्यशाला

कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय में श्री अन्न (मिलेट्स) के उत्पादन व निर्यात बढ़ाने के प्रयास विशेष पर कार्यशाला संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक आईसीएआर अटारी जोन-3 डॉ शांतनु कुमार ने सर्वप्रथम कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया है। कृषि प्रदर्शनी में मोटे अनाज की समस्त बीज, पोस्टर व व्यंजन आदि का प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने बताया कि मोटे अनाजों के प्रति लोग जागरूक हो तथा उपयोगी जानकारी लें इसलिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है।उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा समस्त जनपदों में भी मोटे अनाजों की कार्यशाला आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य ने बताया कि धान गेहूं की जगह फसल चक्र में मोटे अनाजों को शामिल किया जाना बहुत आवश्यक है जिससे मानव स्वास्थ्य व मृदा स्वास्थ्य को ठीक किया जा सके इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने मोटे अनाजों की वैज्ञानिकों द्वारा नवीनतम प्रजातियां विकसित करने पर जोर दिया तथा मोटे अनाजों के उत्पादन रणनीति बनाने पर भी जानकारी दी निदेशक मानिटरिंग एवं प्रशासन डॉ नौशाद खान ने मोटे अनाजों के उत्पादन पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की तकनीकी सत्र में डॉ साधना वैश्य ने मोटे अनाजों की उपयोगिता व उनसे बनने वाले व्यंजनों की जानकारी दी। जबकि डॉ प्रिया वशिष्ठ ने मोटे अनाजों को चावल व रोटी के रूप में प्रयोग करने की विधि बताइ। डॉ अभिमन्यु ने मोटे अनाज के भंडारण विपणन पर जानकारी दी।डॉ हरीश चंद्र सिंह ने मोटे अनाज की उन्नत प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। डॉ जितेंद्र सिंह ने कृषकों को मोटे अनाज ज्वार, बाजरा, रागी, सवां, काकून, कोदों व कंगनी आदि की पहचान व क्षेत्र के अनुसार उत्पादन तकनीकी बताइ। सभी अतिथियों को धन्यवाद से निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी द्वारा किया गया उन्होंने किसानों का आव्हान किया कि किसान भाई मोटे अनाज की उत्पादन तकनीक को अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं इस अवसर पर डॉ सोहन लाल वर्मा, डॉक्टर सुभाष चंद्रा, डॉक्टर अनिल सिंह, डॉक्टर एन लारी, डॉ वीके कनौजिया, डॉक्टर दीपाली चौहान, डॉक्टर चंद्रकला, डॉक्टर रश्मि यादव सहित आस-पास जनपदों के किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया।